समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 24 August 2026

अमेरिका से आर-पार के मूड मे कंनाडा, ट्रंप के 50% टैरिफ प्लान का देगा 'जैसे को तैसा' जवाब

Sanket Morankar Published on 22 Aug 2026

अमेरिका और कनाडा के बीच लंबे समय से जारी व्यापारिक तनाव अब खुली ट्रेड वॉर की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है। दोनों देशों के बीच कई दौर की बातचीत के बावजूद ट्रेड डील पर सहमति नहीं बन सकी। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति **डोनाल्ड ट्रंप** ने कनाडाई सामानों पर भारी टैरिफ लगाने की दिशा में कदम बढ़ाया है। जवाब में कनाडा के प्रधानमंत्री **मार्क कार्नी** ने भी पीछे हटने के बजाय अमेरिका को '**जैसे को तैसा**' **जवाब देने** का संकेत दिया है।

इस नए टकराव का असर दोनों देशों के व्यापार, उद्योग, रोजगार और आम उपभोक्ताओं पर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। खासतौर पर उन वस्तुओं की कीमतों पर असर पड़ सकता है, जिनका दोनों देशों के बीच बड़े पैमाने पर आयात-निर्यात होता है।

आधी रात से लागू हो सकता है 50% टैरिफ

वाशिंगटन में तीन दिनों तक चली अमेरिका और कनाडा के अधिकारियों की गहन बातचीत के बावजूद कोई अंतिम समझौता नहीं हो सका। इसके बाद कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अपने वार्ताकारों को वापस ओटावा बुला लिया।

रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका करीब **28 अरब कनाडाई डॉलर**, यानी लगभग 20 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के कनाडाई सामानों पर **50% टैरिफ** लगाने की तैयारी में है।

यह कदम दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यदि यह टैरिफ प्रभावी होता है तो कनाडा से अमेरिका जाने वाले प्रभावित उत्पादों की लागत बढ़ सकती है और इसका असर कारोबारियों के साथ-साथ उपभोक्ताओं पर भी पड़ सकता है।

ट्रंप के फैसले के जवाब में कनाडा भी करेगा पलटवार

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने स्पष्ट संकेत दिया है कि उनका देश अमेरिकी टैरिफ का एकतरफा नुकसान नहीं उठाएगा। कनाडा अपनी अर्थव्यवस्था और कारोबारियों के हितों की रक्षा के लिए **जवाबी व्यापारिक कदम** उठाने की तैयारी में है।

कार्नी का कहना है कि अमेरिका की व्यापार नीति में बड़ा बदलाव आया है और अब अमेरिका अपने करीबी सहयोगी देशों से भी अपने बाजार तक पहुंच के लिए अधिक कीमत वसूलने की कोशिश कर रहा है।

कनाडाई सरकार ने पिछले 18 महीनों में कारोबारियों को करीब **25 अरब कनाडाई डॉलर की सहायता** उपलब्ध कराई है। सरकार आगे भी व्यापार और उद्योग क्षेत्र को राहत देने के लिए नए उपायों पर विचार कर रही है।

बातचीत क्यों नहीं हो पाई सफल ?

अमेरिका और कनाडा के बीच बातचीत में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर सहमति नहीं बन सकी। अमेरिकी पक्ष का दावा है कि कनाडा को एक बेहद आकर्षक व्यापार प्रस्ताव दिया गया था।

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि **जैमीसन ग्रीयर** के अनुसार, बातचीत के दौरान कनाडाई ऑटोमोबाइल पर टैरिफ को 25% से घटाकर **15%** करने और स्टील तथा एल्युमिनियम पर टैरिफ को 50% से घटाकर **25%** करने का प्रस्ताव रखा गया था।

हालांकि, अमेरिकी शराब और डेयरी उत्पादों को लेकर कनाडा की व्यापारिक पाबंदियों का मुद्दा बातचीत में बड़ा अड़ंगा बना रहा। दोनों पक्ष इन मुद्दों पर किसी साझा समाधान तक नहीं पहुंच सके।

कनाडा अब व्यापार के नए रास्ते तलाश रहा

अमेरिका के साथ बढ़ते व्यापारिक तनाव के बीच कनाडा अपनी अर्थव्यवस्था को अधिक विविध बनाने की रणनीति पर काम कर रहा है। प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने संकेत दिया है कि कनाडा केवल अमेरिकी बाजार पर निर्भर रहने के बजाय दूसरे देशों और नए बाजारों के साथ व्यापारिक संबंध मजबूत करेगा।

कनाडा में वर्तमान समय में करीब **500 अरब कनाडाई डॉलर के बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स** पर काम चल रहा है। सरकार का जोर घरेलू निवेश, रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने पर भी है।

रोजगार और विकास को लेकर कनाडा का दावा

कनाडाई प्रधानमंत्री ने अमेरिका के साथ व्यापारिक तनाव के बावजूद देश की आर्थिक क्षमता पर भरोसा जताया है। उनके अनुसार, कनाडा इस समय अमेरिका की तुलना में करीब **चार गुना अधिक तेजी से नौकरियां पैदा कर रहा है**।

इसके अलावा अगले दो वर्षों में कनाडा की आर्थिक विकास दर G7 देशों में दूसरे स्थान पर रहने की उम्मीद जताई जा रही है। ऐसे में कनाडा सरकार अमेरिकी बाजार में संभावित नुकसान की भरपाई के लिए घरेलू अर्थव्यवस्था और अन्य अंतरराष्ट्रीय बाजारों को मजबूत करने पर जोर दे रही है।

आम लोगों पर क्या पड़ेगा असर ?

अमेरिका और कनाडा के बीच व्यापारिक टकराव बढ़ने का सीधा असर दोनों देशों के उपभोक्ताओं पर पड़ सकता है। टैरिफ बढ़ने से आयातित वस्तुओं की लागत बढ़ती है और कंपनियां इसका बोझ अक्सर कीमतों में बढ़ोतरी के जरिए उपभोक्ताओं तक पहुंचाती हैं।

इसके अलावा ऑटोमोबाइल, स्टील, एल्युमिनियम, कृषि उत्पाद और अन्य व्यापारिक क्षेत्रों पर असर पड़ने से सप्लाई चेन भी प्रभावित हो सकती है। यदि दोनों देश एक-दूसरे के खिलाफ लगातार जवाबी टैरिफ लगाते हैं तो इसका असर महंगाई और व्यापारिक गतिविधियों पर और ज्यादा पड़ सकता है।

अमेरिका और कनाडा के बीच ट्रेड डील टूटने के बाद दोनों देशों के संबंधों मे व्यापारिक तनाव और बढ़ गया है। ट्रंप प्रशासन की ओर से कनाडाई सामानों पर 50% टैरिफ की तैयारी और उसके जवाब में मार्क कार्नी की जवाबी कार्रवाई की चेतावनी ने स्थिति को गंभीर बना दिया है।

अब दोनों देशों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि व्यापारिक हितों की रक्षा करते हुए बढ़ते टैरिफ विवाद को व्यापक आर्थिक

टकराव में बदलने से कैसे रोका जाए। आने वाले दिनों में अमेरिका और कनाडा के बीच होने वाली बातचीत यह तय करेगी कि यह विवाद सीमित व्यापारिक मतभेद तक रहता है या एक बड़े ट्रेड वॉर का रूप लेता है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.